चुड़ेला युनिवर्सिटी में देर रात तक चला हास्य कवि सम्मेलन

माई झु.न्यूज। राजस्थानी सेवा संघ मुम्बई द्वारा संचालित श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबड़ेलवाल विश्वविद्यालय चुड़ैला तथा इण्डियन फैडरे शन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय ग्रामीण पत्रकारिता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रथम दिवस 5 जून 09 शुक्रवार रात्रि आठ बजे विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित विराट हास्य कवि सम्मेलन में देर रात तक श्रोताओं ने हास्य व्यंग्य एवं वीररस तथा अन्य रचनाओं का भरपूर आनन्द लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के मनोनीत कुलपति विनोद टीबड़ेवाल, राजस्थानी सेवा संघ मुम्बई के टस्टी बाबुलाल ढण्ढारिया, अशोक हरलालका, मनमोहन बागड़ी, राधेश्याम जसरापुरिया, रामोतार अग्रवाल, हनुमानप्रसाद बगड़िया आदि द्वारा कवियों के माल्यार्पण स्वागत के साथ हुआ। श्रीमती संतोष श्री वास्तव के द्वारा औपचारिक स्वागत संचालन के पश्चात कवि सम्मेलन की संचालन की कमान संभाली। टोंक से आये कवि प्रदीप पंवार ने जिन्होंने शाहजहांपुर से आई कवयित्री वेदांजली, हाथरस के आसु कवि अनील बोहरे, कोटा के गोविन्द हाकला, अजमेर के शहनाज हिन्दुस्तानी एवं झुंझुनूं के राजेश शर्मा का परिचय करवाया तथा सरस्वती वन्दना से आगाज वेदांजली के मधुर स्वरों से हुआ।

राजेश शर्मा की स्वयं पर लिखी हास्य रचना कभी कभी घर के काम न करने का मेरा निकम्मापन बहुत अखरता है और अन्य पतियों के घरेलु काम करने का मुझ पर बहुत फर्क पड़ता है...........तथा शहनाज हिन्दुस्तानी की देशभक्ति कविता सरहद के रक्षकों को समर्पित तड़पती है इधर इक मां उधर बेटा तड़पता है इधर जज्बात रोते हैं उधर फर्ज रोता है...........हुआ हुक्म फांसी का तो भगत सिंह यूं मुस्काया..........ने कवि सम्मेलन को परवान चढाया।

कोटा के गोविन्द हाकला की हास्य रचनाएं तथा हास्य कविता मेरा व्यवसाय नहीं व्यवसायों का अध्ययन है.........इसी बहाने मैं लोगों के दिल टटोला करता हूं........एवं हाथरस के आसु कवि अनिल बोहरे की रचना अनजान लाश को सर झुकाते हैं जो जान पहचान की लाश से नजरे चुराते हैं वो.......एवं हाथों हाथ श्रोताओं से मिले तीन शब्दों पर तुरत बनायी रचनााओं से सभी को हास्य से सरोबार कर दिया। हल्के फुल्के हास्य चुटकलों के साथ संचालन कर रहे प्रदीप पंवार की मां पर रचित उत्कृष्ठ रचना से कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी आगुन्तकों का धन्यवाद आभार विनोद टिबड़ेवाला, विश्वविद्यालय के कुलपति ने प्रकट किया। इस अवसर पर मौहम्मद आलमगीर, निधि यादव, राकेश टीबड़ा, श्यामसुन्दर टीबड़ा, विश्वनाथ टीबड़ा, किशोरीलाल टीबड़ा, एडवोकेट भगवानसिहं शेखावत, नेमीचन्द जैन, पवन पुजारी, डीएन तुलस्यान, निर्मल मोदी, नवल खण्डेलिया, मुकेश गुप्ता, शरतचन्द्र गाडिया, आत्माराम टीबड़ा सहित अन्य गणमान्यजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।